# मन्द बुद्धि बालक (Mentally Retared children)

क्रो एवं क्रो के अनुसार- "वे बालक जिनकी बुद्धि लब्धि 70 से कम होती हैं, मंद बुद्धि बालक कहलाते हैं।"

स्किनर- "वे बालक जो एक निर्धारित समय में निर्धारित पाठ्यक्रम पुरा नहीं कर पाते हैं, मंद बुद्धि बालक कहलाते है"

मानसिक मंदता का सबसे पहला महत्वपूर्ण अध्ययन फ्रांस में 1799 ई. में जीन इटार्ड द्वारा विक्टर नामक बालक पर किया गया। इटार्ड के एक शिष्य एडोआर्ड सेगुइनि ने 1837 में पेरिस में मानसिक रुप से मंदित बच्चों को प्रशिक्षित करने के लिए एक प्रशिक्षण केन्द्र खोला।

## मंद बुद्धि बालकों की विशेषताएँ:-

1. शारीरिक न्यूनता पाई जाती है, जैसे- आकार का बेडोल होना, किसी अंग का कम/ज्यादा होना।
2. सीमित बौद्धिक क्षमता/ बौद्धिक न्यूनता- स्मृति, चिन्तन, सामान्यीकरण, ध्यान, अधिगम, इत्यादि का अभाव पाया जाता हैं।
3. संवेगात्मक रुप से अस्थिर होते हैं।
4. अन्तरवैयक्तिक संबंध अच्छे होते हैं।
5. रुचियां सीमित व साधारण होती हैं।
6. शब्दावली दोषपूर्ण होती हैं। पापा को नापा, मम्मी को डम्मी.
7. कार्य- कारण में संबंध स्थापित नहीं कर पाना।
8. सुझाव ग्रहण करने की प्रवृति- किसी की भी बात पर विश्वास कर लेना

Guru Narendra

9. उचित-अनुचित का ज्ञान नहीं होता है।
10. रूढ़िवादी व अंधविश्वासी होते हैं।
11. मौलिकता का अभाव।
12. समन्वय स्थापित नहीं कर पाना।
13. समायोजन शक्ति कमजोर होती है।
14. ये नए प्रत्ययों को ग्रहण करने में कमजोर होते हैं।
15. वातावरण के साथ अनुकूलन में कठिनाई।
16. धीमी गति से सीखना एवं दैनिक जीवन की क्रियाओं को न कर पाना।
17. इनका व्यक्तित्व अनुपयुक्त होता है।
18. मंद बुद्धि बालक स्पेशिली जन्मजात होते है, अर्जित हो सकते है जैसे-अचानक से कोई चोट लग जाए।

## मानसिक मन्दबुद्धिपन के कारण :-

**जन्म के समय**
- अधिक आयु में मां बनना
- प्रसव की स्थितियाँ
- आनुवांशिक विकार/रोग/दोष

**जन्म के बाद**
- रेडियो विकिरण
- कुपोषण, ग्रन्थि विकार
- बाहरी चोट
- दूषित वातावरण

अमेरिकन मंद बुद्धि एसोसियशन (AAMD-1973) ने मानसिक रूप से मंदित बालकों को चार भागों में बाँटा है।

Guru Narendra

(i) साधारण मंद बुद्धि बालक -

- इस श्रेणी में आने वाले बालकों की बुद्धि लब्धि '52 - 67'
- 8 से 11 वर्ष के बच्चे के समान।

→ ये 'शिक्षणीय वर्ग' में आते है अर्थात शिक्षा प्रदान कर सकते है

(ii) अल्प मानसिक मंद बुद्धि बालक -

IQ level '36 - 51'

→ गामक कौशल कमजोर फिर भी 'प्रशिक्षणीय श्रेणी' में आते हैं।

→ 4 से 7 वर्ष के बच्चे के समान।

प्रशिक्षणीय श्रेणी - छोटे-मोटे व्यवसायिक प्रशिक्षण सीखाये जाते हैं।

(iii) गम्भीर मानसिक मंद बुद्धि बालक -

IQ Level '20 - 35'

→ दुसरों पर आश्रित बच्चे. ना शिक्षा प्राप्त कर सकते है ना प्रशिक्षण से सीख सकते हैं।

→ इन बालकों में भाषात्मक व क्रियात्मक योग्यताएँ नहीं के बराबर होती हैं।

(iv) अति गम्भीर मानसिक मंद बुद्धि बालक :-

IQ Level - 20 से कम

इनमें तंत्रिका तंत्र संबंधी विकार होता है. शरीर विकृत होता हैं। ये कुछ भी नहीं कर सकते। पराश्रित होते है इनकी अल्पायु में ही मृत्यु हो जाती हैं।

Guru Narendra

एल. एस पेनरोज ने मंद बुद्धि बालकों की चार श्रेणी बताई–

(i) मंगोलिज्म– IQ Level '25-50' डाउन सिन्ड्रोम से मंगोल जैसे दिखते हैं। यह मानसिक दुर्बलता सर्वाधिक पाई जाती हैं।

(ii) क्रेटिनिज्म– थाइरोक्सिन हार्मोन की वजह से बौने रह जाते है (हाइट लगभग 3 फीट)

(iii) माइक्रोसिफैली– इन बालकों के सिर का आकार छोटा व त्रिकोणाकार होता हैं। तथा माथा चपटा होता हैं। गर्भकालीन अवस्था में द्रुत की बीमारी की वजह से मंद बुद्धि होते हैं।

(iv) हाइड्रोसिफैली– सिर का आकार बृहत बड़ा होता हैं

## मंद बुद्धि बालकों के लिए शिक्षा :-

→ विशेष विद्यालय व विशेष अध्यापक व्यवस्था।
→ विशेष पाठ्यक्रम – दैनिक दिनचर्या का पाठ्यक्रम- लिखना, बोलना, पढ़ना, चलना, पीना, खाना, बैठना।
→ आदतों के निर्माण की शिक्षा।
→ शारीरिक प्रशिक्षण- शरीर की साफ सफाई के बारे में।
→ सामाजिक व नैतिक मूल्यों की शिक्षा।
→ आर्थिक प्रशिक्षण (हस्त कौशल व व्यवसायिक शिक्षा)
→ शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग।
→ मूर्त व प्रत्यक्ष वस्तुओं द्वारा शिक्षा
→ खेल व मनोवैज्ञानिक विधियों का प्रयोग- किंडरगार्टन विधि

Guru Narendra